



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 137]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 21, 1978/फाल्गुन 30, 1899

No. 137]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 21, 1978/PHALGUNA 30, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1978

क्र० अ० 190 (अ)/118 एफ बी आई० डी० आर० ए०/78—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 852(ई)/18एए/आई डी० आर० ए०/77, तारीख 23 दिसम्बर, 1977 द्वारा मेसर्स नेशनल रबर मैन्युफैक्चरर्स लिमिटेड, कलकत्ता (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 23 दिसम्बर, 1977 से प्रारम्भ होकर पांच वर्ष की अवधि के लिये कर लिया गया है;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के सम्बन्ध में, अनुसूचित उद्योग, अर्थात् रबर माल उद्योग, के उत्पादन के परिमाण में गिरावट को रोकने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरणपत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पत्राटों स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (जो वेकी और वित्तीय संस्थाओं को प्रतिभूत प्राप्त दायित्वों से भन्न है), जिनका उक्त

औद्योगिक उपक्रम या ऐसे औद्योगिक उपक्रम की स्वामी कंपनी एक पक्षकार है, या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कंपनी को लागू हो, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिये निलंबित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भुत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिये निलंबित रहेंगे।

[क्र० सं० 2/41/77-सी यू सी]

पी० सी० नायक, मयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 21st March, 1978

S.O. 190(E)/18FB/IDRA/78.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 852(E)/18AA/IDRA/77, dated the 23rd December, 1977, the management of the industrial undertaking of Messrs. National Rubber Manufacturers Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the 23rd December, 1977;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so

to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, rubber goods industry ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of publication of this Order in the Official Gazette (other than those relating to

secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[File No. 2/44/77-CUC]
P. C. NAYAK, Joint Secy.